



संदेश

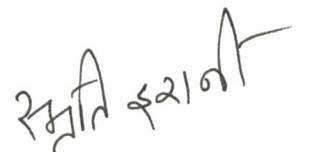
आज देश एक नए भारत के निर्माण के लिए संकल्पशील है। इस नए भारत में आम आदमी की खुशहाली और लोकतंत्र में उसकी भागीदारी सभी योजनाओं और कार्यक्रमों के केंद्र में है। ये सपना तभी पूरा हो सकता है जब देश की शासन व्यवस्था को देश के नागरिकों की भाषा में चलाना सुनिश्चित हो सके। अपनी सर्वव्यापकता के कारण आज हिन्दी भारत की प्रमुख सम्पर्क-भाषा बन चुकी है परंतु संघ सरकार की राजभाषा के रूप में हमें हिन्दी को अभी शिखर तक पहुंचाना है।

भारत की संघ सरकार का प्रारंभ से ही यह प्रयास रहा है कि सरकारी कामकाज में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाए और इसके लिए प्रेरणा एवं प्रोत्साहन की नीति के द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी के प्रयोग के लिए प्रेरित किया जाए। इसके लिए सरकार द्वारा तमाम पुरस्कारों, प्रोत्साहनों एवं प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था की गई है। सरकारी कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को इन व्यवस्थाओं का लाभ उठा कर सरकारी काम-काज में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाना चाहिए। निस्संदेह एक विदेशी भाषा की बजाय अपनी भाषा में काम करके हमें गर्व की अनुभूति होगी।

मुझे पूरा विश्वास है कि मंत्रालय तथा इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यालयों में कार्यरत सभी अधिकारी और कर्मचारी मेरी इस अपील का सम्मान करते हुए अपना अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करेंगे और अपने मातहत अधिकारियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगे।

हिन्दी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी शुभकामनाएं।

14 सितंबर, 2018

  
(स्मृति जूबिन इरानी)